the srijan school

कक्षा–4

पुनरावृत्ति कार्य

दिनांक : **नाम :**

प्र0 1 अपठित गद्यांष पढ़कर दिए गए प्रष्नों के उत्तर दीजिए।

एक दिन तेनालीराम ने देखा कि उसके घर के आस–पास कुछ चोर घूम रहे हैं। वह उन का इरादा समझ गया। उसने चोरों को सुनाकर अपनी पत्नी से कहा,'' देखो, आज कल चोरों का बड़ा ज़ोर है। अपने पास रुपया–पैसा और जो कीमती सामान है उसे एक बड़े संदूक में भर दो। मैं उसे बाग के कुएँ में छिपा दूँगा। ''चोरों ने यह सुना तो बड़े प्रसन्न हुए। तेनालीराम ने एक संदूक लेकर उसमें ईंट–पत्थर भरे और उसने घर से लगे बगीचे में बने कुएँ में वह संदूक डाल दिया। रात होने पर चोर कुएँ पर आए, लेकिन किसी की भी कुएँ में घुसने की हिम्मत नहीं हुई। उन्होंने एक उपाय सोचा। वे तीन बाल्टियाँ ले आए और कुएँ से पानी निकालने लगे। रातभर वे पानी निकालते रहे। सवेरा होने पर पकड़े जाने के डर से चोर वहाँ से भागने लगे। तभी तेनालीराम वहाँ आ पहुँचा और चोरों से बोला, ''भैया, मेरा धन्यवाद तो लेते जाओ, तुम लोगों ने रात–भर मेरे बगीचे में पानी दिया है।

प्र0 क) एक दिन तेनालीराम ने क्या देखा ?

____

____

प्र0 ख) संदूक निकालने के लिए चोरों ने क्या किया?

____

____

प्र0 ग) तेनालीराम ने चोरों का धन्यवाद क्यों किया?

____

____

प्र0 घ) गद्यांश में से दो संज्ञा शब्द छाँटकर लिखिए।

1 .... 2 ....

प्र0 2 वाक्यांष के लिए एक शब्द लिखिए।

क) जो चित्र बनाता हो– ....

ख) जो घर की रखवाली करता हो– ....

प्र0 3 दिए गए वाक्यों में उचित सर्वनाम शब्द लिखिए।

क) .... अपना काम स्वयं करूँगा।

ख) पापा........................... कहाँ जा रहे हो ?

ग) .... मिटानी किसकी है ?

घ) .... दादाजी आज ही आए हैं और...........................कल ही मुंबई चले जाएँगें।